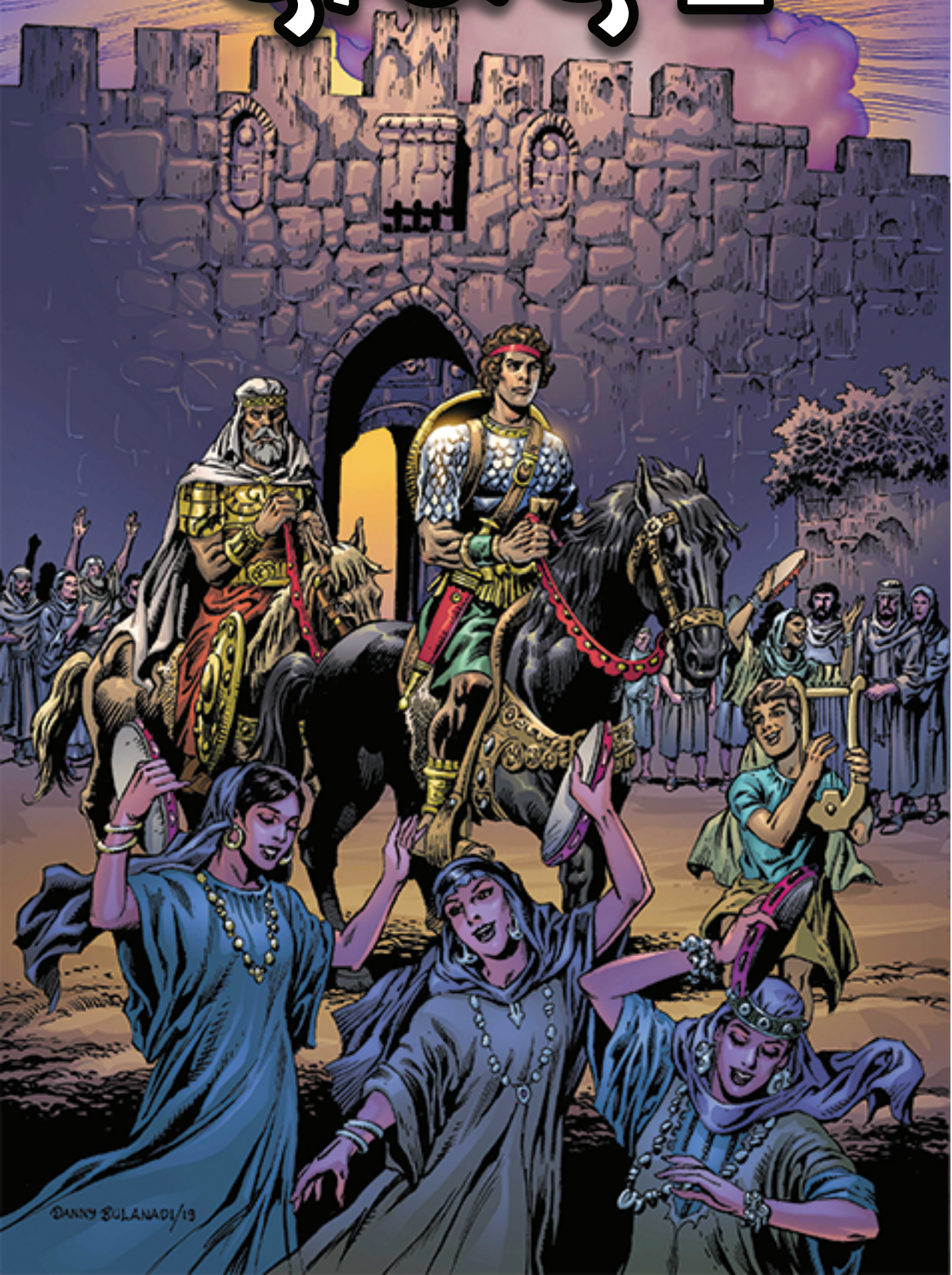




दाऊद 2









जैसे वह अपनी सभा में लोगों से बातें कर रहा था
अचानक एक दुष्टात्मा शाऊल के ऊपर आया।



राजा को और उसके आस-पास के लोगों को आराम पहुँचाने के लिए,
दाऊद राजमहल में वीणा बजा रहा था जैसे वह अक्सर किया करता था।



परन्तु राजा का व्यवहार
अत्यंत हसिक हो गया।



मैं दाऊद को
दीवार में वेध
दूँगा।

परन्तु परमेश्वर
दाऊद के साथ था --



-- और वह उस अतृप्त योद्धा के
भाले से बचने में सफल रहा।

शाऊल दाऊद से भयभीत
हो गया, क्योंकि उसे
एहसास हुआ कि परभु
दाऊद के साथ था --
परन्तु उसे छोड़ दिया।



दाऊद को देश से और अपनी सभा से बाहर नकिलाने के लिए शाऊल ने उसे 1000 सेना दलों का अधिपति बनाया।

दाऊद को इम्राएल के एक आशीष के रूप में देखने के बजाय शाऊल ने उसे केवल एक खतरे के रूप में देखा।



वह दाऊद को अपने आप से दूर रखना चाहता था - और यह भी कि वह युद्ध में मारा जाए।

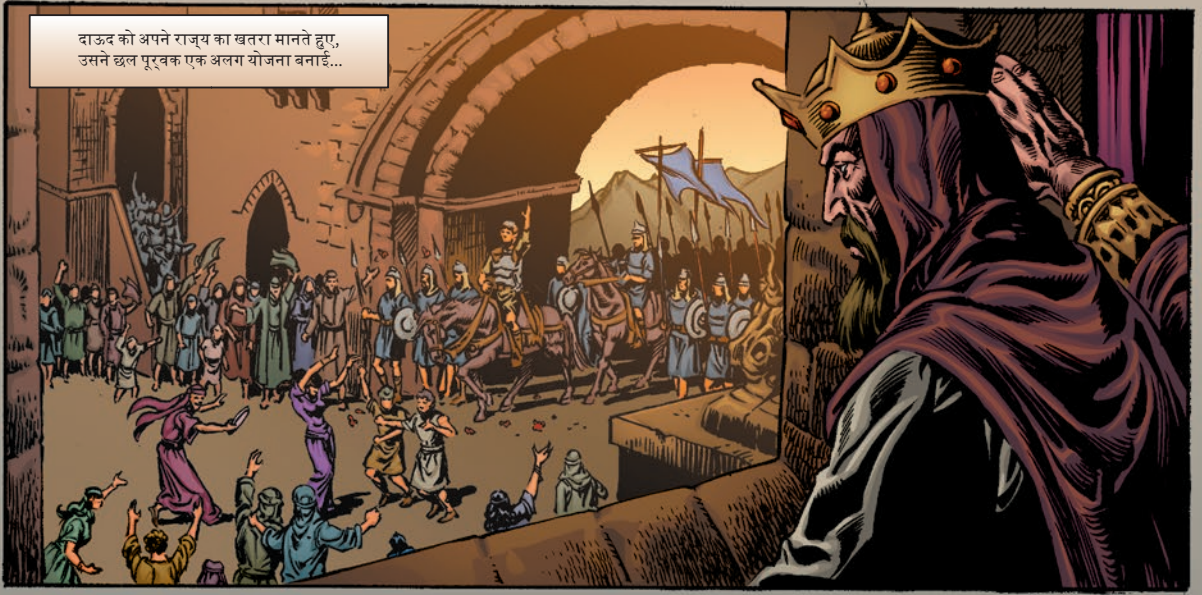


परन्तु दाऊद ने जो कुछ भी किया, उसे बड़ी सफलता मिली, क्योंकि परमेश्वर उसके साथ था।

जब शाऊल ने देखा कि दाऊद कतिना सफल था, वह उससे डरता था।



परन्तु ये युद्ध, दाऊद की अगुवाई की क्षमता, उसके साहस और चरित्र को साबित करने में सहायक हुई - और उसकी जीत ने लोगों का उसके प्रति प्रेम को मजबूत किया।



वाऊड को अपने राज्य का खतरा मानते हुए,
उसने छल पुरवक एक अलग योजना बनाई...



मेरे पुत्र,
तुने ईमानदारी से मेरी
सेवा की है। मैं चाहता हूँ
कि तू मेरे राजकीय परिवार
का एक हस्सिया बने।



यह मेरी बड़ी
बेटी मेरब है।

मैं उसे ववाह के लिए तुझे दूँगा;
केवल साहस पुरवक मेरी सेवा कर
और परमेश्वर के गुद्ध को लड़।



परन्तु मैं कौन हूँ, और मेरा परिवार क्या है
या इसराएल में मेरे पति का कुल क्या है,
कि मैं राजा का दामाद बनूँ?

तू वह है जसि परमेश्वर सामरथी रूप
से इस्तेमाल करता है। तेरी बहादुरी लगातार
मेरे कानों तक पहुँचती रहती है। मुझे तेरे जैसे
लोगों की जरूरत मेरे परिवार और मेरी सेना में है।



मैं उसके बरिद्ध
हाथ नहीं उठाऊँगा।
मैं पलशितियों को
यह करने दूँगा!



लेकिन जब मेरव को विवाह में देने का समय आया, शाऊल ने उसे किसी और मनुष्य को देने का तर्कण्य लिया।



परन्तु दाऊद परमेश्वर की योजना पर लगातार विश्वास करता रहा। राजा ने अपनी प्रतज्ञिजा को तोड़ दिया तब भी वह शाऊल की सेवा विश्वास योग्यता के साथ करता रहा।



हे राजा, क्या हम तुमसे बात कर सकते हैं?



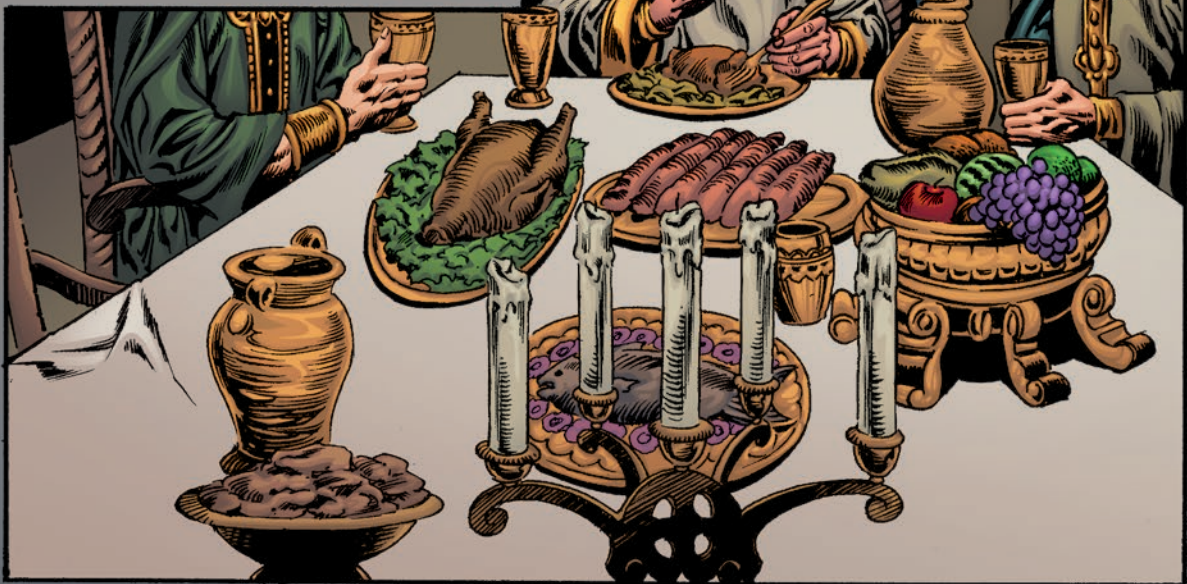
दाऊद को अपने करीब रखने का एक अवसर अभी भी तुम्हारे पास है जिससे तुम अपनी नजरें उस पर बनाए रख सकते हो।



तुम्हारी बेटी भीकल इस युवक दाऊद को पसंद करती है।



मैं उसे उसको दे दूँगा, ताकि वह "उसके लिए एक फंदा बन जाए।" ताकि पलित्तियों का हाथ उसके वरिद्ध हो जाए।

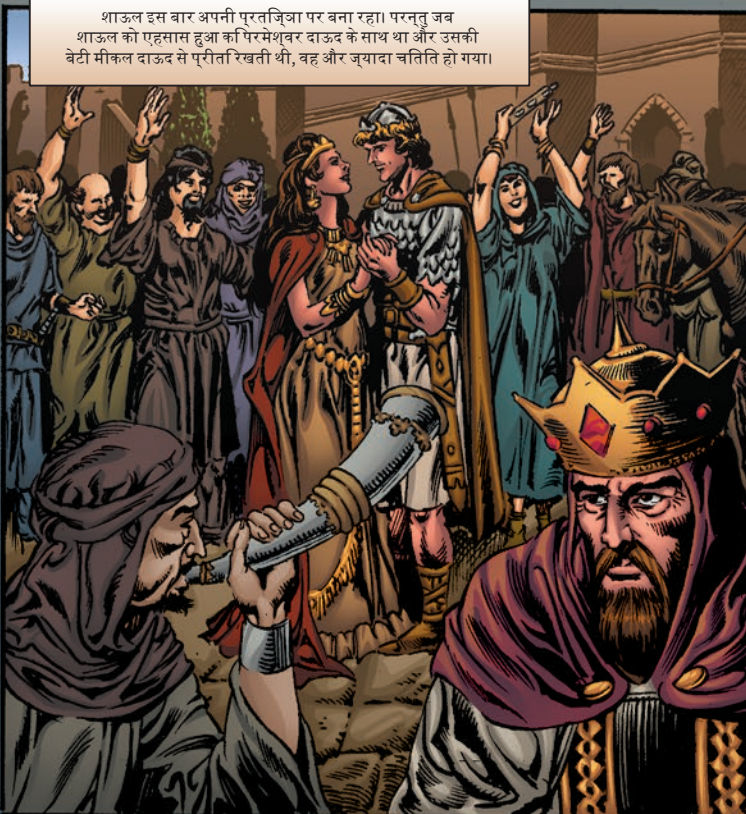


ऊपर चढ़ो।



तूने 100 माँगे थे मैं
राजा के सम्मान में
200 लाया हूँ।

शाऊल इस बार अपनी परतर्जिजा पर बना रहा। परन्तु जब
शाऊल को एहसास हुआ कि परमेश्वर दाऊद के साथ था और उसकी
बेटी मीकल दाऊद से प्रीति रखती थी, वह और ज्यादा चिन्तित हो गया।



शाऊल दाऊद से अत्यंत भयभीत हुआ, और वह
बचे हुए दिनों तक उसका शत्रु बना रहा।



पुलशित्ती सेना जैसे अक्सर किया करती थी, लड़ने के लिए लगातार बाहर जाने लगी, शाऊल के सभी कर्मचारियों से ज्यादा सफलता दाऊद को मिली, और उसका नाम बड़ा प्रसिद्धि हो गया।





लेकिन पलशिवी सेना हार नहीं मान रही थी।



परन्तु दाऊद और उसकी सेना अद्भुत वज्रिय हासिल करती रही।
दाऊद ने उन्हें बड़े बल के साथ मारा कि सभी उसके सामने से भाग गए।



वज्रिय पाने के बाद दाऊद पहले जैसे शाऊल की सभा में वापस आ गया।



परन्तु जलन और ईर्ष्या मर जाते हैं जब तक पछतावा न हो...



एक बार फिर दुष्टात्मा ने शाऊल को दाऊद के वरिद्ध उकसाया।



थंग!!



अब मुझे बचकर नकिल जाना चाहिए।



नहीं तो शाऊल नहीं रुकेगा जब तक मैं मर न जाऊँ।



यदि बिह बीमार
हे मुझे इसकी
परवाह नहीं है।

उसे चारपाई
समेत मेरे पास
लेकर आओ
कर्म में उसे मार
डालूँ।



मेरी खुद की बेटी!

तूने मुझे ऐसा धोखा क्यों
दिया और मेरे शत्रु को क्यों
जाने दिया कि बिह बच
नकिला है?



हे पतिता - उसने मुझसे कहा,
"मुझे जाने दो। मैं तुझे क्यों
मार डालूँ!"

शाऊल से बचने के बाद दाऊद, भवपियवक्ता शमूएल के नगर रामा को चला गया। उसने उसे सब कुछ बता दिया जो शाऊल ने किया था।



जब शाऊल को यह खबर पहुँची कि दाऊद रामा को भाग गया है तब उसने सेना की एक टुकड़ी को भेजा कि वे उसे पकड़कर उसके पास वापस लाएँ ताकि वह उसे मार सके।



जति शहर को दाऊद भागा था वहाँ शमूएल की अगुवाई में चलने वाले भवपियवक्ताओं और चेलों का एक समूह था।



इन भवपियवक्ताओं ने परमेश्वर के वचन की घोषणा की, संभवतः वादय यंत्रों के साथ।

दाऊद को पकड़ने के लिए सपाहियों ने उस शहर में प्रवेश किया परन्तु एक अस्वाभाविक घटना घटी...





जसि नगर में दाऊद छपि हुआ था वहाँ शाऊल और उसके सैनिकों के आ जाने से, वह उस जगह भाग गया जहाँ योनातान रहता था।

मैंने क्या किया है?
मेरा क्या अपराध है? तेरे पति
के खिलाफ मैंने क्या गलती
की है कि वह मेरा प्राण लेना
चाहता है?

तू नहीं मरेगा!

देख, मेरा पति मुझे
बताए वगैर कुछ भी
नहीं करता, बड़ा या छोटा!

फरि वह ऐसी बात
को मुझसे क्यों छपिाएगा?
ऐसी कोई बात नहीं है।

तेरा पति सोचता है कि "योनातान इस
बात को जानने न पाए ऐसा न हो
कि वह खेदित हो।"

फरि भी परमेश्वर
के जीवन की शपथ
और तेरे जीवन की शपथ,
मेरे और मृत्यु के बीच
में केवल एक कदम
की दूरी है।

जो कुछ तेरा जी चाहे
वही मैं तेरे लिए करूँगा।

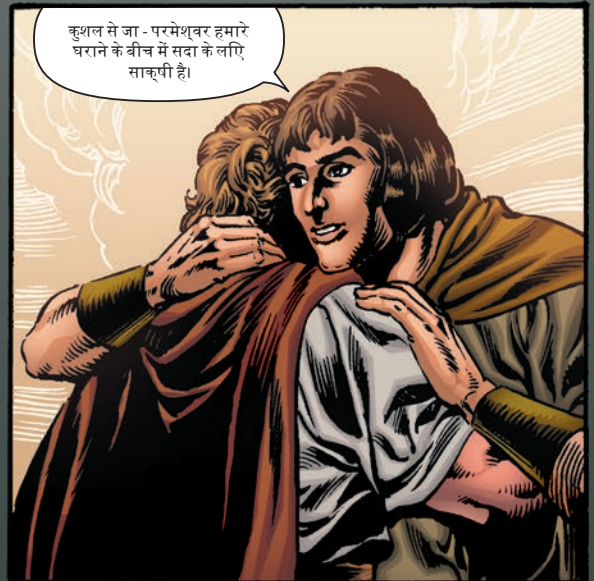
कुल नए चाँद का परब है, और मुझे
उचित है कि मैं राजा के साथ भोजन करूँ,
परन्तु मुझे जाने दे और मैदान में छपिने दे।

यदि तेरा पति मेरी चरिता
करे तो कहना, "दाऊद ने अपने
नगर बैतलहम को शीघ्र जाने के
लिए मुझसे वनिती करके छुट्टी
माँगी है क्योंकि वहाँ उसके
समस्त कुल के लिए वारपकि
यज्ञ है।"

परन्तु यदि उसका
क्रोध भड़क उठे, तो
जान लेना कि उसने
बुराई सोची है।







दाऊद शाऊल से भागकर याजकों के नगर -
नोब को चला गया, जहाँ वह याजक अबीमेलक से मिला।



तू अकेला क्यों है?
तेरे साथ कोई
क्यों नहीं है?



राजा ने मुझे एक वशिष्ठ
काम दिया है परन्तु नहीं
चाहता कि कोई इसके बारे में
जाने। मेरे जवान मुझसे मलिंगे।

परन्तु दाऊद के शूट
का परिणाम दुःखद होगा।



मेरे जवानों के
खाने के लिए तेरे
हाथ में क्या है?

मेरे पास साधारण रोटी
तो नहीं है, केवल पर्वतिर रोटी
है -- इतना हो कि वे जवान
रीत अनुसार अपने आप को
शुद्ध रखें।



जवानों के शरीर
शुद्ध हैं, भले ही वह
काम जसमें वे शामिल
हैं शुद्ध नहीं हैं।

क्या तुम्हारे पास यहाँ
कोई भाला या तलवार है?
मैं कुछ भी नहीं लाया
क्योंकि मैं राजा के काम
की जल्दी में था।

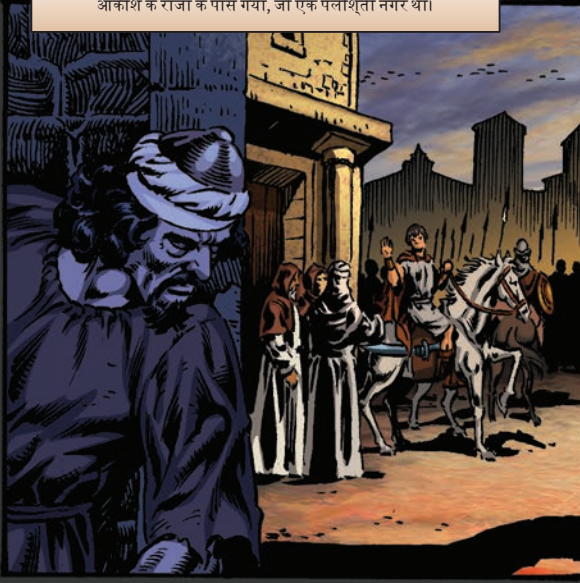


केवल गोलयित की
तलवार है जसि तुने एला
की तराई में मारा था।

वही मुझे दे--
इसके समान
कोई नहीं।



उस दसि दाऊद शाऊल के पास से भागा और उससे छपिने की कोशिश में आकीश के राजा के पास गया, जो एक पलशितो नगर था।



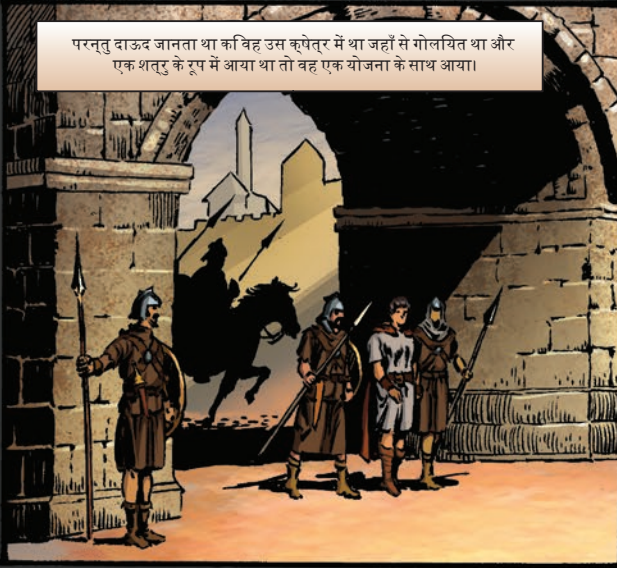
तुम इस व्यक्त को हमारे मध्य नहीं रख सकते -- वह इवरी लोगों के मध्य में एक राजा है।

वह यही है जिसके बारे में लोगों ने गाया-- "शाऊल ने हजारों को, और दाऊद ने दस हजारों को मारा।"

उसे मेरे पास लेकर आओ और मैं नरिणय लूँगा।



परन्तु दाऊद जानता था कि वह उस क्षेत्र में था जहाँ से गोलियथ था और एक शत्रु के रूप में आया था तो वह एक योजना के साथ आया।



उसे मेरे पास क्यों लाना -- वह तो पागल है!

क्या मेरे राज्य में पागलों की कमी है कि तुम उसे मेरे पास लाए हो?



क्या इस व्यक्ति को मेरे घर पर आना अवश्य है?





दाऊद वहाँ से चला और बचकर अदुल्लाम की गुफा में पहुँच गया, जो उसके नगर बैतलहम से लगभग बारह मील की दूरी पर था। उसका घराना उससे मिलने आया।



परन्तु जल्द ही, जतिने संकट में पड़े थे, और जतिने ऋणी थे और जतिने उदास थे दाऊद के पास इकट्ठे हुए। और जल्द ही उसके पास युद्ध के लिए चार सौ पुरुष तैयार हो गए।



दाऊद को उसकी परदादी रुत की ओर से मोआबी बरिसत थी, अतः वह मोआब के राजा के पास गया और अपने माता पति के लिए सुरक्षा माँगी।



जैसे भवपियवक्ता शमुएल ने शाऊल की सहायता की और उसको सलाह दी, वैसे ही परमेश्वर ने भवपियवक्ता गाद को दाऊद को सलाह देने के लिए उसके पास भेजा।

इस गड में मत रह।
यहूदा के देश को चला जा।

मैं जाऊँगा और हेरत के
जंगल में छपि जाऊँगा।



बनियामीन के लोगों सुनो--
क्या यशि का पुत्र तुम्हें खेत
और दाख की बारियों देगा और
तुम्हें सहस्रपत्र बिनाएगा?



तुम सभी ने क्यों मेरे
वरिद्ध बुराई का षडयंत्र किया
और नहीं बताया कि वह
कहाँ छपा है?

तुम में से किसी को मेरे बारे
में चिन्ता नहीं है और किसी
ने बताया भी नहीं कि मेरे खुद
के पुत्र ने उसे मेरे वरिद्ध में
उकसाया है।



मैंने उसे देखा है। वह याजकों के नगर
में अबीमेलक के पास आया। उन्होंने
उसे रोटी -- और गोलघित की तलवार दी।



यशि के पुत्र की सहायता
करके तुमने क्यों मेरे वरिद्ध
षडयंत्र किया?

तेरे लिए कौन दाऊद के
समान नपिठावान है? राजा अपने
दास पर गलत करने के लिए दोष
न लगा -- तू जो कह रहा है उसके
बारे में हमें कुछ भी पता नहीं।



याजकों को मार डालो।
सबको। और उनके
घरानों को।

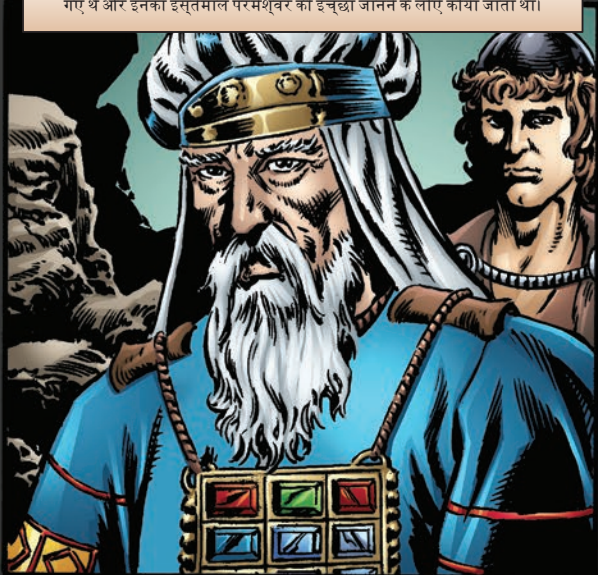
वे जानते थे
कि दाऊद भाग रहा
था और मुझे
बताया नहीं।



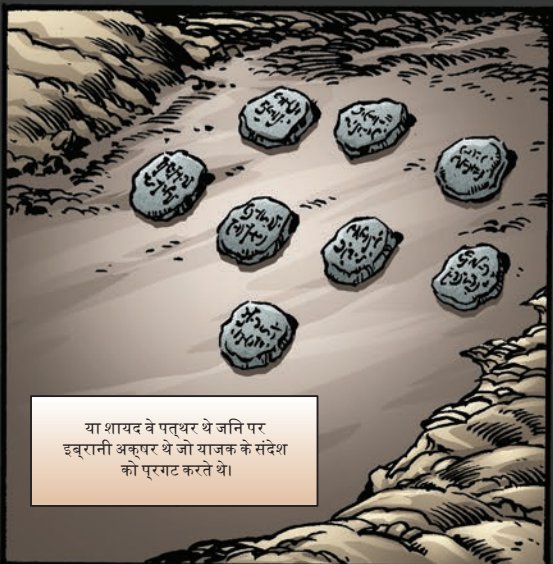
उस दनि दोएग ने 85 याजकों को मार डाला, साथ ही साथ नगर के वचे हुए पुरुषों, स्त्रियों और बच्चों को भी।



एब्राहाम अपने साथ ऊरीम और तुमसीम लाया था। वे याजकों के कवच में लाए गए थे और इनका इस्तेमाल परमेश्वर की इच्छा जानने के लिए किया जाता था।



यह नहीं मालूम कि ये मणिपत्थर थे या पत्थर थे, इसके एक तरफ काला था और दूसरी तरफ सफेद जो किसी वशिष्ठ प्रश्न का उत्तर हो या ना में देता था।



या शायद वे पत्थर थे जिन पर इब्राही अक्षर थे जो याजक के संदेश को प्रगट करते थे।



इसके बावजूद, परमेश्वर ने इसे अंगुवी को एक साधन के रूप में दिया जिससे परमेश्वर की इच्छा जानी जा सके।

यह भवपिय बताने वाली एक शैली थी जिस परमेश्वर ने पुराने नयिम में होने दिया।



"ऊरीम और तुमसीम को हाइरून के कवच पर रख दे, ताकि हाइरून के हृदय पर रहे जब जब वह परमेश्वर की उपस्थिति में प्रवेश करे। ताकि हाइरून परमेश्वर के समुख इस्राएलियों के लिए हृदय से नर्णय ले सके।"

गढ़ के पास दाऊद को यह समाचार मिला कि पिलशिती पास के एक यहूदी नगर पर आक्रमण कर रहे थे। ऊरीस और तुममीम से सलाह लेने के बाद उसने आज्ञा दी...



हम कीला को बचाने के लिए निकल पड़े। परमेश्वर ने कहा है कि वह इसे मेरे हाथों में दे देगा।



दाऊद और उसके सैनिकों ने इस्राएल शहर को बचाया।



परन्तु दाऊद की समीपता की सूचना शाऊल तक पहुँच गई।



तो अब परमेश्वर ने दाऊद को मेरे हाथों में कर दिया है। उसने अपने आपको कीला के प्रवेश और निकास पर बन्द कर लिया है।

यह बहुत आसान होगा।



शाऊल ने तो अपनी पूरी सेना को इकट्ठा कर लिया है और वह तुझे मार गिराने के लिए आ रहा है।

एब्यातार को मेरे पास लाओ। मुझे परमेश्वर से यह पुख्ता है कि कीला के लोग मुझे उसके हाथों में दे देंगे।



कीला के लोग तेरे छुटकारे को स्मरण न रखेंगे।

वे तुझे राजा शाऊल के हाथ में सौंप देंगे।

अब हम जाते हैं।

दाऊद और उसके सैनिक शाऊल से छपने की कोशिश में जंगल और पहाड़ों में इधर उधर भटकने लगे।



परन्तु एक दिने छावनी में दाऊद की एक आश्चर्यजनक मुलाकात हुई।

यह राजा का पुत्र है,
हमने उसकी तलवार
ले ली है।



तुमसे व्यक्तिगत रीति से
बताने के लिए मेरे पास एक
सन्देश है।

दाऊद - नहीं! उसके
पति शाऊल ने तुझे
फसाने के लिए उसे
भेजा है।



नहीं। योनातान ने पहले
मेरे जीवन को बचाया है --
वह केवल भला इरादा रखता है।

मत डर। मेरे पति शाऊल
तुझ पर हाथ नहीं रखेंगे।



स्वयं परमेश्वर के सन्देश
की तरह तेरे शब्द मुझे
प्रोत्साहित करते हैं।

तू इस्राएल के ऊपर राजा होगा और
तेरी आज्ञा से मैं दूसरा होऊंगा।

ऐसा
ही हो,



परन्तु दूसरा समूह दाऊद की सुरक्षा के बारे में उतना चिन्तित नहीं था...

राजा शाऊल -- स्थानीय लोग -- जीपी लोग तुम्हारे साथ दर्शक चाहते हैं।

उन्हें नगिरानी के अन्दर रखो।

तुम क्या चाहते हो?

वही जो तुम चाहते हो -- इस्राएल में शान्ति।

जो राजा के वरिद्ध बलवा करते हैं उनके साथ जब तक सही बर्ताव न किया जाएगा। तब तक इस्राएल में शान्ति नहीं होगी।

इसी कारण से हमने तुम तक यात्रा की है।

दाऊद हमारे मध्य में -- होरेथ के गडों में छपि रहता है।

परन्तु तुझे आशीर्ष दे।

मेरे आगे जाओ और उसका सही स्थान मुझे बताओ। वह बड़ा चतुर है -- मुझे उन सभी स्थानों का पता बताओ जहाँ वह छपित है।

लोगों को तैयार करो। कल हम माओन जंगल की ओर बढ़ेंगे। परमेश्वर ने अंततः उसे मेरे हाथों में दे दिया है।

शाऊल ने थोड़ा समय भी व्यर्थ नहीं किया। 300 सैनिकों को लेकर वह दाऊद के पीछे शीघ्र चला गया।



हम कुछ समय तक यहाँ रुकेंगे तब तक मैं राहत पाने के लिए गुफा के अन्दर जाऊँगा।



यह नशिबित तौर से वह दनि है जिसके बारे में प्रभु ने कहा, 'मैं तुम्हारे शत्रुओं को तुम्हारे हाथों में दे दूँगा ताकि तुम अपनी इच्छा अनुसार बर्ताव कर सको।'



... इसने यहूदी जंगल की गरमी को बड़ा दिया...

दाऊद ने शाऊल के वस्त्र की छोर को छपि कर काट लिया।



हम उसे एक ही मार से खत्म कर देंगे।

नहीं! मुझे उसके वस्त्र की छोर को भी नहीं काटना चाहिए था।



तु अपने शत्रु को बनि किसी नुकसान के जाने दे। वह तुझे मारने की कोशिश कर रहा है।

वह प्रभु का अभिषिक्त है -- मैं उस पर हाथ नहीं उठाऊँगा।





"THE BIBLE EXPLAINED
IN EVERY LANGUAGE."



SUPERBIBLE.TV